



Mr.Rohit Singh



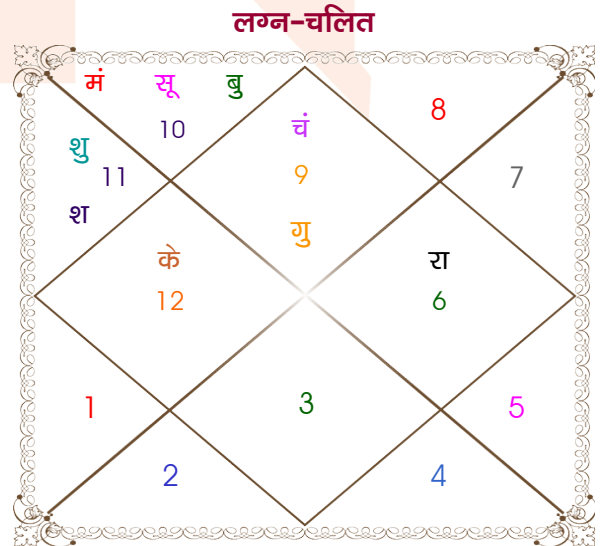
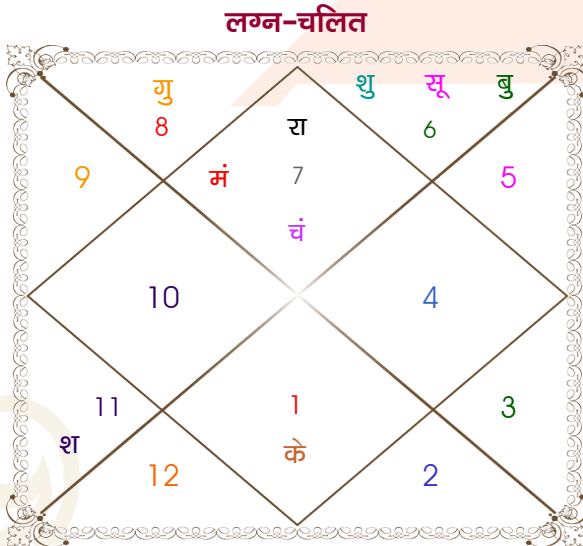
Ms.Ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120018206

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 28/09/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 18-19/01/1996
 गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
 घंटे 08:41:00 : _____ जन्म समय _____ : 05:20:00 घंटे
 घंटे 06:21:50 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 55:33:35 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Gwalior : _____ स्थान _____ : Agra
 26:12:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:09:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 78:00:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:18:00 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:08:15 : _____ सूर्योदय _____ : 07:08:57
 18:08:58 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:47:40
 23:47:59 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:14

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 10वर्ष 2मा 20दि		13:49:00	तुला	लग्न	धनु	06:29:52	केतु 0वर्ष 6मा 6दि	
बुध		10:43:59	कन्या	सूर्य	मक	04:22:10	चन्द्र	
17/12/2024		24:48:52	तुला	चंद्र	धनु	12:20:41	27/07/2022	
18/12/2041		20:14:54	तुला	मंगल	मक	14:28:15	26/07/2032	
बुध	16/05/2027	24:26:54	कन्या व	बुध व	मक	04:09:33	चन्द्र	27/05/2023
केतु	12/05/2028	16:13:28	वृश्चि	गुरु	धनु	09:41:11	मंगल	26/12/2023
शुक्र	13/03/2031	21:01:46	कन्या	शुक्र	कुंभ	10:49:43	राहु	26/06/2025
सूर्य	18/01/2032	26:30:52	कुंभ व	शनि	कुंभ	27:01:20	गुरु	26/10/2026
चन्द्र	18/06/2033	02:46:07	तुला	राहु व	कन्या	27:22:40	शनि	26/05/2028
मंगल	15/06/2034	02:46:07	मेष	केतु व	मीन	27:22:40	बुध	26/10/2029
राहु	02/01/2037	02:45:20	मक व	हर्ष	मक	06:35:20	केतु	27/05/2030
गुरु	10/04/2039	28:59:17	धनु व	नेप	मक	01:33:09	शुक्र	26/01/2032
शनि	18/12/2041	04:42:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:40:52	सूर्य	26/07/2032



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्त्वीपजैपदही का वर्ग सर्प है तथा Ms.Ayushi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त्वीपजैपदही और Ms.Ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त्वीपजैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण्त्वीपजैपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Ayushi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Ayushi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्त्वीपजै पदही तथा Ms.Ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

